Excise duty on Import ot Cars

2223. SHRI RAJNI RANJAN SAHU : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) what are the procedures for importing cars and what is the rate of excise-duty;

(b) what arc the procedures of giving rebate in excise duty;

(c) whether it is a fact that within the last one year few cars have been imported by paying one fourth duty; and

(d) if so, what are the details thereof and under what circumstances the duty has been reduced on the import of the cars ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESHWAR THAKUR):(a) The import policy and procedure for import of cars by various categories of importers are given in Public Notice No. 2I-ITC(PN)/92-97 dated 26-06-92, issued by the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

There is no excise duly payable on imported cars. However, passenger cars are leviable to customs duty at the rate of 225.63 per cent *act valorem.*

(b) No rebate in customs duty is permissible on import of cars. However, depreciation is allowed in the value taken for assessment for used cars as follows :

4% per quarter for the first year 3% per quarter for the second year 21% per quarter for the third year *2%* per quarter for the fourth year

In addition to the above depreciation in value, the Assistant Collector can allow further depreciation after ascertaining the actual condition of the car on physical examination.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise in view of reply to part (c).

भारत के विदेशी मुद्रा भण्डार पर निर्यात-आयात कार्य-निष्पादन का प्रभाव

2224. **श्री धीरेन के शाह :**
डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष के पहले छः महीनें के दौरान इस देश के निर्यात और आयात व्यापार में विगत वर्ष के मुकाबले वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि इस अवधि के दौरान कम निर्यात किया गया और अधिक आयात किया गया जिसके परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा भण्डार घट गया है;

(घ) यदि हां, तो अप्रैल, 1992 में देश में विदेशी मुद्रा की राशि कितनी थी तथा सितम्बर, 1992 के अंत में यह राशि कितनी थी;

(ङ) क्या विदेशी मुद्रा की लगातार कमी को देखते हुए देश के आयात और निर्यात व्यापार में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार ने कोई दिशा-निर्देश जारी किए है; और

(च) यदि नहीं तो इसके क्या कारण है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) और (ख) जी, हां । चालू वित्त वर्ष के पहले छः महीनों के दौरान भारत द्वारा 85490 लाख अमरीकी डालर-राशि का निर्यात किया गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 81130 लाख अमरीकी डालर-राशि का निर्यात किया गया था । चालू वित्त वर्ष के पहले छः महीनों के दौरान 111710 लाख अमरीकी डालर-राशि के आयात किए गए जब कि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 91350 लाख अमरीकी डालर-राशि के आयात किए गए थे ।

(ग) और (घ) जी, नहीं । अप्रैल--सितम्बर, 1992 की अवधि के दौरान यद्यपि निर्यात में हुई वृद्धि आयात में हुई वृद्धि से कम रही है और इसके परि-